भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 433
दिनांक 21 जुलाई, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

इंडिया मेडटेक एक्सपो-23

433. श्री विद्युत बरन महतोः
श्री प्रतापराव जाधवः
श्री सुधीर गुप्ताः
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः
श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार गांधीनगर में भारतीय चिकित्सा उपकरण उद्योग के सहयोग से देश में पहली बार बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय स्तर पर तीन दिवसीय इंडिया मेडटेक एक्सपो-23 का आयोजन करने जा रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश में इस प्रकार के एक्सपो के आयोजन के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं तथा इसमें किन-किन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण कंपनियों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के भाग लेने की संभावना है;

(ग) इस एक्सपो से इस उदीयमान क्षेत्र को किस प्रकार बढ़ावा मिलेगा; और

(घ) सरकार द्वारा देश में चिकित्सा उपकरण पारिस्थितिकी तंत्र का सृजन करने और भारतीय मेडटेक क्षेत्र के लिए ब्रांड पहचान बनाने के लिए उठाए गए/उठाए जाने वाले अन्य कदमों का ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>
<u>रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री (श्री भगवंत खुबा)</u>

(क) से (ग): सरकार गुजरात के गांधीनगर में 17-19 अगस्त 2023 से इंडिया मेडटेक एक्सपो (आईएमटीई), 2023 का आयोजन कर रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय चिकित्सा

उपकरण उद्योग की क्षमताओं को प्रदर्शित करना और नेटवर्क के अवसर पैदा करना तथा भारत में इस क्षेत्र के विकास और विश्व स्तर पर इसके संभावित योगदान दोनों के लिए सहयोग की खोज करना है। इस कार्यक्रम को पीएलआई प्रतिभागियों, स्टार्ट-अप्स, एमएसएमई, आर एंड डी सुविधाओं, नवोन्मेषी उद्यमियों, इन्क्यूबेटरों, सार्वजनिक और निजी अस्पतालों, अकादमिक, अनुसंधान संस्थानों, निवेशकों, विभिन्न राज्य सरकारों आदि सहित सभी हितधारकों को एक साथ लाकर नेटवर्क के अवसर बनाने और सहभागिता की खोज करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

(घ): भारत सरकार ने चिकित्सा उपकरण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न नीतिगत और योजनाबद्ध उपाय किए हैं, जिसमें 3,420 करोड़ रुपए के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू करना शामिल है। 15,000 करोड़ के कुल परिव्यय वाली औषधों संबंधी एक अन्य पीएलआई योजना में शामिल श्रेणियों में से एक श्रेणी इन-विट्रो डायग्नोस्टिक (आईवीडी) चिकित्सा उपकरण है। चिकित्सा उपकरण पार्कों का संवर्धन योजना के तहत साझी अवसंरचनात्मक सुविधाओं के विनिर्माण के लिए 4 चयनित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 100 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, विभाग ने हाल ही में चिकित्सा उपकरण नीति को अधिसूचित किया है और चिकित्सा उपकरणों के लिए निर्यात संवर्धन परिषद की स्थापना की है।

*****